impact
www.impactmeasurement.co.in

Date : 09-Nov-2008 Edition : Delhi Page No.: 7 Page Name: Delhi Size: 164.37 sq. cm

Sector: Others Circulation: 356842 AVE: Rs.124922.60 Frequency: Daily

Publication: Navbharat Times Title: It's tough to check quantity of alcohal in obese and lengthy people

नवभारत टाइम्स

मोटे व लंबे लोगों की अल्कोहल जांच है टफ

मेधा चतुर्वेदी (टीएनएन)

अगर आप किसी मोटे या फिर ज्यादा लंबे व्यक्ति का मजाक उड़ाते हैं, तो अब ऐसा करने से पहले सोच-विचार लें। क्योंकि, कुछ मामलों में ऐसे लोग पतले और सामान्य ऊंचाई वाले लोगों से ज्यादा स्मार्ट साबित होते हैं। हाल ही में यह बात सामने आई है कि मोटे और अधिक लंबे लोग ब्रीदलाइजर टेस्ट के दौरान आसानी से बच निकलते हैं। गौरतलब है कि ब्रीदलाइजर टेस्ट शराब पीकर ड्राइव करने वालों में अल्कोहल की मात्रा जानने के लिए किया जाता है।

इस बारे में मैक्स अस्पताल के डॉ. संदीप बुधिराजा का कहना है कि जो लोग मोटे होते हैं या फिर जिनके शरीर में पानी की मात्रा अधिक होती है, अल्कोहल को आसानी से समा लेते हैं। इसी वजह से टेस्ट के दौरान ऐसे लोग आसानी से बच निकलते हैं। उनका कहना है कि शरीर का मास ज्यादा होने से इनकी सांसों में भी अल्कोहल के वजूद का पता नहीं चलता। ऐसा ही कुछ लंबे लोगों के साथ होता है। जो लोग 6 फीट 5 इंच या फिर इससे अधिक लंबे होते हैं, उन्हें भी इस तरह के लाभ मिलते हैं। डॉक्टरों का कहना है कि जिन लोगों का बॉडी मास इंडेक्स (बीएमआई) 25 से ज्यादा है, वे इस टेस्ट को आसानी से पास कर जाते हैं।

ब्रीदलाइजर टेस्ट में आसानी से बच जाते हैं ऐसे लोग

बुधिराजा का कहना है कि ब्रीदलाइजर टेस्ट में सांस की जांच की जाती है। इस टेस्ट से ब्लड और अल्कोहल के रेश्यो का पता लगाया जाता है। मोटे लोगों में अधिक फैट होने से अल्कोहल की बड़ी मात्रा आसानी से घुल जाती है और जो नहीं घुल पाती है, ब्लड में चली जाती है। ब्लड में अल्कोहल की मात्रा सांसों की जांच से पता नहीं चल पाती। अपोलो अस्पताल के डॉ. तरुण साहनी का कहना है कि पतले और मोटे शरीर वाले लोगों के मेटाबॉलिज्म में काफी अंतर होता है। पतले लोगों में मेटाबॉलिज्म ज्यादा तेजी से काम करता है। इसी वजह से उनके ब्लड में अल्कोहल की मात्रा ज्यादा तेजी से फैलती है। मोटे लोगों में ऐसा नहीं होता। फिजिकल एक्टिविटी में शामिल न रहने वालों के शरीर में ज्यादा तेजी व आसानी से अल्कोहल का फैलाव होता है।

हालांकि, इस बारे में ट्रैफिक पुलिस डॉक्टरों से अलग विचार रखती है। ट्रैफिक पुलिस का कहना है कि अगर ड्राइव करने वाले किसी व्यक्ति के 100 मिलीग्राम ब्लड में 30 मिलीग्राम अल्कोहल पाई जाती है, तो उसे इस मामले में दोषी माना जाता है। इस टेस्ट की एक समस्या की ओर ध्यान दिलाते हुए उन्होंने कहा अगर कोई व्यक्ति बीड़ी या पान मसाला का सेवन करता है तो वह भी इस टेस्ट में पता चल जाता है। ऐसे में संबंधित व्यक्ति की सांसों को सूंघकर अल्कोहल की मात्रा का पता लगाना पड़ता है।

© Navbharat Times